मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 259 ■ रविवार 11 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बॉर्डर-2 के गाने के लिए वरुण धवन का उड़ा मजाक

मनपा चुनावी मैच अंतिम ओवर में

- उम्मीदवारों ने फूंकी पूरी ताकत
- उल्हासनगर शहर में त्रिकोणीय मुकाबला
- कहीं बंडखोरी न बन जाए हार का कारण?
- शिवसेना का चिन्ह टीओके के लिए चैलेंज
- 15 जनवरी मतदान, 16 को मतगणना
- उल्हासनगर नगर निगम चुनाव में 432 उम्मीदवार मैदान में

उल्हासनगर. उल्हासनगर की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। 2026 के महानगर पालिका चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग हो रही है, और उम्मीदवारों की आखिरी लिस्ट आने के बाद से शहर का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस साल सत्ता की लड़ाई और रंगीन होने की संभावना है क्योंकि BJP और शिवसेना शिंदे गुटों के बीच उम्मीद के मुताबिक राजनीतिक गठबंधन नहीं हो पाया है। वोटरों के सामने कई ऑप्शन हैं, और यह चुनाव सच में कई पहलुओं वाला होने वाला है।

इस चुनाव में राष्ट्रीय पार्टियों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर असरदार कंट्रोल रखने वाले ग्रुप्स ने भी ज़ोरदार तैयारी की है। भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) के बीच असमंजस के कारण राजनीतिक समीकरण और अनिश्चित हो गए हैं। वहीं, टीम ओमी कलानी, साई पार्टी, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, वंचित बहुजन अघाड़ी, आम आदमी पार्टी और बसपा जैसे कई दल मैदान में उतर आए हैं। इसलिए सत्ता की चाबी कौन लेगा? इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में बहस चल रही है।

कुछ वार्डों में त्रिकोणीय मुकाबला

टिकट वितरण में कई दावेदारों को बाहर किए जाने से असंतोष पैदा हुआ है, जिसके कारण कई दिग्गजों ने निर्दलीय उम्मीदवारी दाखिल की है। नतीजतन, कुछ वार्डों में सीधे मुकाबले की जगह त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा, जबकि कुछ जगहों पर चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। प्रचार के अंतिम चरण में ये गणित कितना बदलेगा, इस पर सबकी नजर है।

432 कैंडिडेट आखिरी मुकाबले में

चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा करें तो 20 वार्डों की 78 सीटों के लिए कुल 702 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इनमें से 618 एप्लीकेशन सही पाए गए, जबकि 186 कैंडिडेट ने नाम वापस ले लिया, जिससे 432 कैंडिडेट आखिरी मुकाबले में रह गए। इतनी बड़ी संख्या में कैंडिडेट के मैदान में होने से यह साफ है कि कैंपेन और भी एग्रेसिव होगा और वोटर्स के सामने फैसले और भी मुश्किल होंगे।

4,39,912 मतदाता करेंगे मताधिकार का इस्तेमाल

इस साल शहर में कुल 4,39,912 वोटर अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें से 2,32,736 पुरुष, 2,07,022 महिलाएं और 154 अन्य वोटर हैं। शहर के डेवलपमेंट की दिशा तय करने वाला यह वोट किसकी तरफ झुकता है, इसका जवाब 16 जनवरी को चुनाव नतीजों के बाद ही पता चलेगा। तब तक, हर चौक, गली और चाय की दुकान पर बस यही सवाल चर्चा में है कि 'कौन सत्ता में आएगा?'

सत्ता की चाबी किसके पास है?

इस साल का चुनाव कई तरह का होगा क्योंकि उम्मीद के मुताबिक गठबंधन नहीं हो पाया। 20 वार्ड की 78 सीटों के लिए 432 कैंडिडेट मैदान में हैं। BJP, शिंदे ग्रुप, ठाकरे ग्रुप समेत कई नेशनल और लोकल पार्टियों के बीच महामुकाबला है। टीम ओमी कलानी और साई पार्टी जैसे लोकल ग्रुप्स ने भी अपने पॉलिटिकल कैलकुलेशन बदल दिए हैं। टिकट न मिलने से नाराज़ एक पुराने नेता इंडिपेंडेंट चुनाव लड़ रहे हैं। कई वार्ड में सीधी लड़ाई के बजाय, तीन-तरफ़ा और चार-तरफ़ा लड़ाई होनी ही है। 702 एप्लीकेशन की स्क्रूटनी और वापस लेने के बाद चुनाव की तस्वीर साफ़ हो गई है। 4,39,912 वोटर चुनाव का नतीजा तय करेंगे। कैंपेन का आखिरी फेज़ ज़्यादा एग्रेसिव है। पूरे शहर में एक ही चर्चा है, सत्ता की चाबी किसके पास है?

पैनल 16 में पुणे पिंपरी की तर्ज पर करेंगे विकास -सोनिया धामी

उल्हासनगर। उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार ने जो विकास कार्य पुणे पिंपरी में किया है उसी के तर्ज पर हम पैनल 16 का विकास कार्य करेंगे। जिस तरह दादा ने पैनल 17 के लिए 25 करोड़ का विकास फंड दिया था उसी तरह पैनल 16 को दत्तक लेकर हम पैनल को विकासशील बनाएंगे। ऐसा राकांपा प्रदेश महासचिव व पैनल 16 से राकांपा उम्मीदवार सोनिया धामी ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया है। श्रीमती धामी ने कहा कि अजित दादा ने जो हमें विकास कार्य की राह दी है उसी राह पर पैनल 16 का विकास होगा। पैनल 17 में रास्तों के निर्माण व विस्तारीकरण से जो प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोत्तरी हुई है उसी तरह से विकास कार्य का हमारा सपना पैनल 16 के लिए भी है। पैनल 16 में खस्ता हालत सड़कों व विकास न होने के कारण प्रॉपर्टी के दामों में भारी गिरावट आयी है उसे सुधार की जरूरत है। पैनल 16 में राकांपा उम्मीदवार सोनिया धामी, विजय राजवानी, भाऊ म्हात्रे व नेहा प्रकाश लुंड चुनावी मैदान में है। उन्हें भारी बहुमत से जीताने की अपील श्रीमती धामी ने की है।

पैनल 17 में भ्रष्टाचारियों की नजर गंगोत्री के विकास कार्य पर

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 17 में जो विकास कार्य हुए हैं और विकास करने वाले गंगोत्री की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाए विरोधी पक्ष में शामिल भ्रष्टाचारियों की नजर अब पैनल 17 में है। जो हाल भाजपा के लुंड भाईयों ने पैनल 16 का किया है वही हाल पैनल 17 में करने की फिराक में है। लेकिन इस बार 16 और 17 दोनों पैनलों भ्रष्टाचारियों से मुक्त होंगे। ऐसा राकांपा नेता अनिल धामेजानी ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा है। उन्होंने कहा कि हार से बौखलाए दोनों भाई जो वीडियो वायरल कर समाज को भड़काने का कार्य कर रहे हैं उससे हमारी ताकत और बढ़ रही है क्योंकि मतदाता आज समझदार है उन्हें पता है कि कौन भ्रष्टाचारी है और कौन विकास पुरुष। पैनल 17 में राकांपा उम्मीदवार भारत गंगोत्री, कमलेश सिरसाठ, रिंकी धामेजानी व सोनिया थदानी का प्रचार जोरों पर चल रहा है। हमें सिंधी, मराठी और सिख समाज का भरपूर समर्थन प्राप्त है।

पैनल 3 में शिवसेना के भुल्लर महाराज की स्थिति मजबूत

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 3 में शिवसेना से विकास पुरुष राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, चरणजीत कौर, संगीता खंडारे और वंदना भदाणे चुनावी मैदान में है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जाहीर सभा में पैनल 3 से सैकड़ों की संख्या में शिवसैनिकों ने हाजिरी लगाई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पैनल 3 से शिवसेना को जीताने की अपील भी की। शनिवार को शहाड फाटक बीपी नाईक रोड पर जाहीर सभा का आयोजन किया गया जहां सैकड़ों की संख्या में मतदाता आए हुए थे। सभी ने भुल्लर महाराज के नेतृत्व में उनको जीत का आर्शिवाद भी दिया। इसके अलावा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान, भीमनगर में भी सभा में उपस्थित लोगों ने चारों उम्मीदवारों को अपना भरपूर समर्थन दिया। भुल्लर महाराज को भाजपा के उम्मीदवार टक्कर दे रहे हैं।

पैनल 11 में प्रवीण किशनानी को मिला वरिष्ठ नागरिकों का समर्थन

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 11 में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण गोधूमल किशनानी इन दिनों डोर टू डोर प्रचार में व्यस्त हैं उनके साथ रवि जग्यासी, कविता पंजाबी व प्रीति माखीजा चुनावी मैदान में है। प्रचार के दौरान मतदाताओं की शिकायत है कि उन्हें पानी समय पर नहीं मिलता सफाई की समस्या हैं खेती एरिया में गुंडों का आतंक है ऐसी कई शिकायतों से त्रस्त इस पैनल ने परिवर्तन के चलते भाजपा उम्मीदवार प्रवीण किशनानी को इस चुनाव में अपना पूरा समर्थन देने का वादा किया है। श्री किशनानी को वरिष्ठ नागरिकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनका कहना है कि श्री गोधूमल किशनानी ने वर्षों से इस वार्ड की सेवा की है और अब स्थानीय उम्मीदवार ही हमें चाहिए। उल्हासनगर-3 स्टेशन रोड परिसर, दसेरा मैदान परिसर, थाहिरीयासिंह दरबार परिसर के मतदाताओं ने उनको अपना समर्थन दिया है। उन्हें साई पक्ष के उम्मीदवार कड़ी टक्कर दिए हुए हैं।

पैनल 12 में झूठे वादे नहीं चलेंगे- सीरवानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 12 में पिछले 15 सालों से जो हमने कार्य किए है शायद ही वो कार्य हुए हो। यहां पर विकास कार्य देखकर विरोधियों के पास केवल निजी अटैक के अलावा कुछ नहीं बचा है इसलिए वो मतदाताओं को रिझाने के लिए झूठे वादे करते हैं लेकिन हमारा कार्य घंटों में नहीं मिनटों में पूरा होता है। शिकायती वाट्सअप ग्रुप में वार्डवासियों की हर समस्या का तुरंत हल किया जाता है। वार्ड की मूलभूत समस्याओं के अलावा पुलिस प्रशासन की शिकायतें भी हमने वार्डवासियों की सुलझाई है और आगे भी करेंगे। लेकिन झूठे वादे करने वाले केवल वादे करेंगे कार्य नहीं। पैनल 12 में भाजपा उम्मीदवार टोनी सीरवानी, ज्योति पिंटो बठिजा, कैलाश म्हात्रे व राखी कजानिया मैदान में है। उनका समक्ष राकांपा के उम्मीदवार मैदान में है।

पैनल 6 में शिवसेना को जनसमर्थन

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 6 में शिवसेना उम्मीदवार महेश सुखरामानी, प्रेरणा अजित माखीजानी, जया प्रकाश माखीजा व विक्की सिंह चुनावी प्रचार के दौरान सिंधी समाज, लबाना समाज, मराठी समाज व व्यापारियों का खुलकर जनसमर्थन मिल रहा है। यहां मतदाताओं को अपने स्थानीय उम्मीदवारों पर भरोसा है कि वो चुनाव के बाद उनकी प्रमुख मांगों को पूरा करेंगे। इस वार्ड में दो पूर्व नगरसेवकों के साथ दो नए चेहरों को शिवसेना ने उतारा है। अहम बात यह है कि सभी स्थानीय अपने परिसर में पहले से ही समाजसेवा करते आए हैं। यहां पर उनकी टक्कर भाजपा उम्मीदवारों से है।

पैनल 9 में आकाश चक्रवर्ती के विकास का चक्रवात होगा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 9 में इन दिनों युवा उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती, डिंपल कुमारी, कविता लासी चुनावी मैदान में अपना जोर लगा रहा है। युवा उम्मीदवार आकाश चक्रवर्ती ने कहा कि इस पैनल के लिए जो हमारी योजनाएं हैं वो चुनाव बाद हम तुरंत उस पर काम शुरू करेंगे ताकि आपको विश्वास होगा कि आपका मत जाया नहीं हुआ। चुनाव के बाद इस पैनल में विकास का चक्रवात होगा जिससे भविष्य में पैनल समस्या मुक्त कर कायाकल्प करेंगे। चक्रवर्ती की टीम ने चुनाव से पूर्व ही विकास का ट्रेलर दिखाया है लेकिन अब पूरी पिक्चर तो चुनाव बाद देखनी है। यहां पर शिवसेना को राकांपा उम्मीदवार टक्कर दे रहे हैं।

पैनल 5 में परिवर्तन चाहते हैं मतदाता- विक्की भुल्लर

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 5 के शिवसेना युवा उम्मीदवार विक्की सिंह भुल्लर इन दिनों अपने प्रचार के अंतिम दौर में चल रहे हैं। जहां उन्होंने कहा कि इस वार्ड में इतनी समस्या है कि जहां भी प्रचार के लिए हम डोर टू डोर जा रहे हैं वहां लोगों का कहना है कि स्थानीय विधायक व पूर्व नगरसेवकों ने काम ही नहीं किया है जिस कारण आज यहां पानी, सफाई की प्रमुख समस्याएं हैं। धोखादायक इमारत से बेघर हुए लोगों को भी सहायता देने में विधायक सफल नहीं हुए हैं ऐसे में अब स्थानीय मतदाता अब परिवर्तन चाहती है। युवा नेता विक्की सिंह ने कहा कि कल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की इस पैनल में जो सभा हुई है वहां उन्होंने यह घोषणा की है कि जहां यह सभा हो रही है उस क्षेत्र में पानी व धोखादायक इमारतों की समस्या से मुक्त करेंगे। विक्की सिंह ने कहा कि इस पैनल में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का कार्यालय भी है जो हर शहरवासी की समस्याओं के लिए उपलब्ध है। इसलिए अब हर घर शिवसेना का लक्ष्य 15 जनवरी को साकार करना है। विक्की सिंह के साथ सीमा कालानी, दिलीप जग्यासी व निकिता छापरू शिवसेना उम्मीदवार के रूप में मैदान में है। उन्हें भाजपा के उम्मीदवार टक्कर दिए हुए हैं।

भाजपा के नए चेहरे पैनल 6 में पुराने चेहरों से निजात दिलाएंगे

उल्हासनगर। पैनल 6 में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो गया है। यहां पर पुराने व नए चेहरों में जोरदार जंग चल रही है। पैनल 6 से भाजपा उम्मीदवार दीपक छतलानी, आयशा वधरिया, भूमि नाथानी, हेमा पिंजानी मैदान में है। यहां पर एक तरफ व्यापारियों के नेता दीपक छतलानी सभी व्यापारियों के साथ जुड़े हुए हैं और वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया का यह पुराना वार्ड रह चुका है इस बार उनकी बहु आयशा वधरिया चुनाव मैदान में है। इस बार पैनल 6 में नए व युवा चेहरों की मांग पर भाजपा ने चारों को चुनाव मैदान में उतारा है। मतदाताओं अब नए चेहरों के हाथों में पैनल की भागदौड़ देने चाह रहे हैं क्योंकि परिसर समस्याओं से घिरा हुआ है और उसका जवाब भाजपा के पास है।

‘जमनू पुरस्वानी के विकास कार्य लोगों को हजम नहीं होते’

उल्हासनगर। पिछले 30 वर्षों से हम पैनल 2 की सेवा के लिए दिन रात एक किए हुए हैं। आज इन वर्षों में हमें हरेक वार्डवासी का नाम उनके घर के सदस्यों की पूरी जानकारी हमें है। वार्डवासियों का प्यार ही हमारी ताकत है। इसी वार्ड का विकास होते देख लोगों को यह विकास हजम नहीं होता जिस कारण हमें शिवसेना से उम्मीदवारी लेकर चुनाव मैदान में उतरना पड़ा। पैनल 2 से शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी, अनुष्का गोपलानी, होशियार सिंह व सविता पारवानी मैदान में है। विरोधियों का काम विरोध करना है और हमारा काम विकास करना है वो हम कर रहे हैं और करते रहेंगे। लोग सही को चुनेंगे और अपने को चुनेंगे। जमनू पुरस्वानी के समक्ष भाजपा व राकांपा के उम्मीदवार मैदान में है।

पैनल 2 में फर्जी मतदाताओं की जांच हो -लबाना

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के चुनाव चार दिनों में होने हैं ऐसे में फर्जी मतदाताओं से बचने की आवश्यकता है और निर्भय मतदान के लिए हम मतदाताओं से अपील कर रहे हैं। लेकिन हमें खबर मिली है कि पैनल 2 में फर्जी मतदाताओं की भरमार है और उनकी जांच होनी चाहिए ताकि फर्जी मतदान न हो। ऐसा भाजपा युवा नेता मनोज सिंह लबाना ने कहा है। उन्होंने कहा कि प्रभाग में कई मतदाता हैं जो स्थानीय निवासी नहीं है और उनके पास वैध आधार प्रमाण पत्र भी नहीं है फिर भी वोटर लिस्ट में उनके नाम दर्ज हैं ऐसे मतदाताओं की जांच करके निर्भय रूप से चुनाव कराने चाहिए ऐसी मांग की गई है। ज्ञात हो कि पैनल 2 में भाजपा की उम्मीदवार मीना कौर लबाना, एड. भरत शिवनानी, संध्या मराठे व हरि कनौजिया मैदान में है उनकी शिवसेना व राकांपा से टक्कर है।

पैनल 2 में 30 वर्षों में पानी, लाइट व सफाई की समस्या कायम- नीतेश चैनानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में राकांपा उम्मीदवार नीतेश चैनानी ने मुकुंद नगर स्थित चुनाव प्रचार सभा में कहा कि पिछले 30 वर्षों से एक ही परिवार के लोग यहां राज कर रहे हैं लेकिन स्थानीय लोगों को मूलभूत सुविधा जैसे पानी, लाइट व सफाई जैसी प्रमुख समस्या तक नहीं सुलझा पाए हैं। जिस कारण हमें अपने वार्ड में इस समस्या से निजात दिलाने के लिए खुद मैदान में उतरना पड़ा ताकि वार्ड को समस्या से मुक्त करें। इस बार मतदाताओं को मौका मिला है अपने सही उम्मीदवार को चुनने का। नीतेश कुमार चैनानी की टक्कर भाजपा व शिवसेना के उम्मीदवारों से है।

पैनल 16 में साई पक्ष की निकली भव्य बाइक रैली

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 16 में साई पक्ष के उम्मीदवारों ने भव्य बाइक रैली निकाली। इस रैली में खासकर युवाओं ने शिरकत की और अपना पूरा समर्थन साई पक्ष के उम्मीदवार राजा गेमनानी, दीप्ति दुधानी, ज्योति चैनानी व अगीचा को दिया। श्री गेमनानी ने अपनी बाइक रैली में कहा कि यह रैली वो ताकत है जो वार्डवासियों के अंदर परिवर्तन को लेकर चल रही है और वो आगामी चुनाव में देखने को मिलेगी। हमारी लड़ाई उन लोगों से हैं जिन्होंने वोट लेकर भी कभी विकास कार्य नहीं किया। इस लड़ाई में जीत हमारी होगी।

साई पक्ष को टक्कर देने के लिए भाजपा व राकांपा के उम्मीदवार मैदान में है।

पैनल 11 में साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी करेंगे अपराधियों का सफाया

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 11 में साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी, इंदिरा उदासी, डॉ. हरेश जग्यासी व किरण सिंह जैसे अनुभवी उम्मीदवारी मैदान में टीवी चिन्ह पर चुनाव मैदान में है। चुनाव प्रचार के दौरान श्री इदनानी ने कहा कि इस पैनल में पिछले कई वर्षों से साई पक्ष ने कार्य किए हैं। प्रशासकीय राज में पानी की समस्या जो हुई है उससे भी निपटने में हम कामयाब हुए हैं लेकिन चुनाव जीतने के बाद यह समस्या भी हल हो जाएगी। लेकिन यहां पर जो अपराधियों का बसेरा है हम उसका सफाया करने चुनाव मैदान में उतरे हैं। वार्ड में गुंडागर्दी व हफ्ता वसूली के खिलाफ हमने मुहिम छेड़ी है। कुछ उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं उनका सफाया करने का समय आ गया है। ज्ञात हो कि उनकी टक्कर भाजपा के उम्मीदवार से है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

ईडी-सीएम ममता बनर्जी टकराव

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई में निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह जांच एजंसी विपक्षी दलों के निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत भी ईडी की कार्यप्रणाली पर असंतोष जाहिर कर चुकी है। मगर गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जो घटना हुई, उसमें न केवल ईडी, बल्कि राज्य सरकार भी सवालों के घेरे में है। केंद्रीय एजंसी की ओर से एक राजनीतिक परामर्श फर्म के दफ्तर पर छापे के दौरान खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वहां पहुंचकर हस्तक्षेप करना निस्संदेह कई सवाल खड़े करता है।

इस घटना को लेकर ईडी और मुख्यमंत्री के अपने-अपने तर्क हैं, लेकिन इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर इस तरह की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा जहां जांच एजंसी की इस कार्रवाई को कानून के दायरे में बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है।

दरअसल, विपक्षी दल लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से केंद्रीय जांच एजंसियों का दुरुपयोग करती है। खासकर ईडी की कार्यप्रणाली को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते रहे हैं। ऐसे में जांच एजंसी का भी यह कर्तव्य है कि वह खुद पर लगे आरोपों का विश्लेषण करे और ऐसे हालात पैदा न होने दे कि उसकी किसी कार्रवाई पर सवाल उठे। कोलकाता में छापे के बाद दोनों पक्षों के बीच जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि ईडी के छापे में पार्टी से जुड़े दस्तावेज के साथ विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की सूची जब्त कर ली गई। मगर, इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि क्या कोई मुख्यमंत्री या मंत्री किसी केंद्रीय जांच एजंसी की कार्रवाई में इस तरह सीधे हस्तक्षेप कर सकता है? इस तरह के टकराव से बचने के रास्ते तलाशने होंगे।

विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर हिंदी

दस जनवरी का दिन 'विश्व हिंदी दिवस' के रूप में हिंदी प्रेमियों को उत्साह से भर देता है। यह दिन हमें हिंदी भाषा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, उसकी वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-मंथन का अवसर भी प्रदान करता है। इस वर्ष 'विश्व हिंदी दिवस' हमारे लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन को पचास वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। 1975 में नागपुर में 10 जनवरी को आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार का महत्वपूर्ण प्रयास था, जिसका उद्घोष था-'वसुधैव कुटुंबकम्'।

30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने उसमें सहभागिता की थी। उस सम्मेलन ने भारत और भारत के बाहर बसे भारतीयों में अपनी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की उत्कंठा जगा दी। उनमें केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़ने का संकल्प जागृत हुआ। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वैश्विक आवश्यकता की दृष्टि से भी हिंदी का महत्व रहा है। अनेक विदेशी विद्वानों ने भी हिंदी की सेवा की है। इस दृष्टि से बेल्जियम के फादर कामिल बुल्के, मारीशस के अभिमन्यु अनंत, जापान के प्रो. क्यूया दोई, जर्मनी के लोथार लुत्से, मास्को के येवगेनी पेत्रोविच चेलिशेव, श्रीलंका की इंद्रा दसनायक, न्यूजीलैंड के रोनाल्ड स्टुअर्ट मैकग्रेगर तथा हंगरी के इमरै बंधा आदि के नाम गिनाए जा सकते हैं। भाषा किसी भी देश की संस्कृति की मूल्यवान उपलब्धि होती है। वह

हमारे भावबोध और आत्मबोध का ऐसा हिस्सा होती है, जिसे यदि हमसे काटकर अलग कर दिया जाए तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है। हर भाषा उसे बोलने वालों के इर्द-गिर्द एक जादुई घेरा खींच देती है। यह जादुई घेरा वस्तुतः भाषा की परिधि ही है, जिसके भीतर हमारी पहचान सुरक्षित रहती है, क्योंकि भाषा किसी समूह के सांस्कृतिक प्रतीक-रूपों में जीवित रहती है। आज हिंदी की वैश्विक उपस्थिति ने सिद्ध कर दिया है कि शब्द-सृष्टि का व्यापार अनंत संभावनाओं से परिपूर्ण है। विश्व स्तर पर हिंदी की मांग के नए व्यावसायिक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ उभर रहे हैं। विश्वभर में बसे भारतीय हिंदी के स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वे यह भली-भांति जानते हैं कि हर भाषा की संरचना के सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोत होते हैं। इसीलिए भाषा हमें अपने इतिहास, मिथक और परंपरा से जोड़ती है। यह जुड़ाव ही सामूहिक अस्मिता बनकर अत्यंत मूल्यवान हो जाता है। इस प्रकार हिंदी का विश्वबोध निर्मित हो रहा है। भारत की तेज आर्थिक प्रगति को देखकर भाषाशास्त्रियों का अनुमान है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क की जो दस भाषाएं होंगी, उनमें हिंदी भी शामिल रहेगी। वह ज्ञान-विज्ञान, उच्च प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के वैश्विक परिदृश्य में अपने सामर्थ्य को सिद्ध करेगी। भूमंडलीकरण से जन्मी परिस्थितियों ने भी विश्व भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति को सुदृढ़ किया है।

उपभोक्तावादी संस्कृति में भाषा की शक्ति और सामर्थ्य का मानक बाजार बन गया है। आज भाषा समृद्धि के मानदंडों से नियंत्रण और निर्धारण के खेल को स्वीकार या अस्वीकार करती है। भारत के बदलते सांस्कृतिक और आर्थिक माहौल ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीयता को अपनी मार्केटिंग का प्रभावी हथियार बनाकर अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने भारतीय आस्थाओं, परंपराओं और छवियों को विज्ञापनों में जागृत करना शुरू कर दिया है। इन दिनों विज्ञापनों में भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों का व्यापक उपयोग हो रहा है। विज्ञापन निर्माता हिंदी तथा भारतीय भाषाओं का प्रयोग कर भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान को जागृत कर रहे हैं। मनोरंजन उद्योग ने भी हिंदी के वैश्विक क्षितिज को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। हिंदी फिल्मों के माध्यम से हिंदी दुनिया भर के देशों में फैल रही है।

हर भाषा अपने युग की परिस्थितियों और प्रेरणाओं के अनुसार बदलती है। आज 'तकनीकी वर्चस्व' के युग में तकनीक हिंदी को नयापन दे रही है। क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों और बोलचाल के शब्दों से हिंदी का नया स्वरूप भी सामने आ रहा है। ऐसे ही विकास के कई मोड़ों से गुजरकर हिंदी अपनी अंतरराष्ट्रीय क्षमता की पहचान बना रही है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय क्षमता का विकास बाजार की जरूरतों से बने विश्वग्राम और विश्व-मानव की मांग भी है। राजभाषा, संपर्क भाषा और जनभाषा के सोपानों को पार कर हिंदी विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

रेल का किराया बढ़ा, शिकायतें भी बढ़ीं

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।

रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है।

गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-

सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं।

हाल में सरकार ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं का किराया बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि यह वृद्धि देखने में मामूली लगती है, लेकिन देश भर में प्रतिदिन रेल में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या की लिहाज से देखें, तो सरकार को हर साल इससे करोड़ों रुपए की कमाई होगी। ऐसे में सवाल है कि क्या सरकार का लक्ष्य सिर्फ राजस्व अर्जित करना ही है? अगर ऐसा नहीं है, तो यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है।

रेल मदद पोर्टल पर बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर मंत्रालय ने हाल में सभी मंडलों के अधिकारियों को पत्र भेज कर व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इन निर्देशों पर कड़ाई से अमल होगा या फिर महज खानापूर्ति का ही प्रयास किया जाएगा, इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। यह सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि जब तक रेलगाड़ियों में साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं को लेकर व्यापक निगरानी तंत्र विकसित नहीं किया जाएगा, तब तक समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद करना व्यर्थ है।

इंसानों की भाषा समझने वाले कुत्ते

जरा हट के

अगर आपके घर में कोई कुत्ता होगा, तो आपने गौर किया होगा कि जब आप उसे उठने या बैठने के लिए कहते होंगे तो वो आपकी बात तुरंत मान लेता होगा. पर कुछ कुत्तों की इंटेलिजेंस इससे भी ज्यादा होती है. वो इंसानों की पूरी बात समझ लेते हैं. ऐसे जीनियस डॉग्स पर एक शोध हुआ, जिसमें चौंकाने वाला खुलासे हुए हैं.

अब तक यह माना जाता रहा है कि भाषा को समझने और नए शब्द सीखने की क्षमता मुख्य रूप से इंसानी बच्चों में पाई जाती है, खासकर बचपन में लेकिन हालिया वैज्ञानिक शोध में यह सामने आया है कि कुत्तों की एक दुर्लभ श्रेणी ऐसी भी है, जो इंसानों की बातचीत को सुनकर नए शब्द और वस्तुओं के नाम सीख सकती है. शोधकर्ताओं ने इन कुत्तों को 'गिफ्टेड वर्ड लर्नर' नाम दिया है. यह अध्ययन वियना स्थित वेटरनरी यूनिवर्सिटी और हंगरी की एटवोस लोरेन्ड यूनिवर्सिटी के

वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है. शोध की प्रमुख शोधकर्ता शैनी ड्रोर के अनुसार, इन विशेष कुत्तों में यह क्षमता पाई गई कि वे अपने मालिकों की आपसी बातचीत सुनकर नए खिलौनों या वस्तुओं के नाम समझ लेते हैं, भले ही उनसे सीधे तौर पर प्रशिक्षण न दिया गया हो. आम तौर पर कुत्तों को 'बैठो', 'लेटो' या 'लुढ़को' जैसे आदेशों तक सीमित समझा जाता है, लेकिन GWL कुत्ते इससे कहीं आगे हैं. ये कुत्ते बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के स्वाभाविक रूप से बड़ी शब्दावली विकसित कर लेते हैं. शोध में शामिल एक बॉर्डर कॉली नस्ल की डॉगी 'बास्केट' इसका उदाहरण है, जो न केवल खिलौनों बल्कि अपने मालिक का मेट्रो कार्ड भी नाम सुनते ही उठा लाती है. वैज्ञानिकों का कहना है कि इन कुत्तों की सीखने की क्षमता लगभग डेढ़ साल के मानव बच्चे के बराबर पाई गई है. ड्रोर के अनुसार, यह तथ्य अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब तक इस स्तर की भाषा समझने की क्षमता मुख्य रूप से छोटे बच्चों में ही देखी गई थी. अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने कुल 10 कुत्तों पर दो अलग-अलग प्रयोग किए. पहले प्रयोग में कुत्तों के मालिकों ने दो नए खिलौनों को कुछ समय तक सीधे कुत्तों के सामने पेश किया. इसके बाद मालिकों ने आपस में उन खिलौनों के बारे में बातचीत की, लेकिन इस दौरान कुत्तों को शामिल नहीं किया गया.

चुकंदर-पनीर डोसा

खाना-खजाना

सादे डोसे के मुकाबले चुकंदर वाला डोसा गुणों की खान है। दरअसल, चुकंदर शरीर में खून की कमी को दूर करता है और आयरन बढ़ाता है। वहीं, पनीर प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है जो आपको दिन भर एनर्जेटिक रखता है। जब ये दोनों मिल जाते हैं, तो यह बच्चों और बड़ों दोनों के लिए एक 'सुपरफूड' बन जाता है। खास बात है कि इसका गहरा लाल रंग बच्चों को बहुत अट्रैक्ट करता है, जिससे वे इसे शौक से खाते हैं। आइए, इस आर्टिकल में बिना देर किए जानते हैं इसे तैयार करने की आसान रेसिपी।

सामग्री

- डोसा बैटर : 2 कप (सूजी या चावल-दाल का नॉर्मल बैटर)
- चुकंदर: 1 (उबला और पिसा हुआ प्यूरी)
- पनीर: 1 कप (कद्दूकस किया हुआ)
- हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी हुई)
- हरा धनिया: 2 चम्मच
- मसाले: नमक, काली मिर्च और थोड़ा-सा चाट मसाला
- तेल या घी: सेकने के लिए

विधि :

सबसे पहले अपने सामान्य डोसा बैटर में चुकंदर की प्यूरी मिलाएं। इसे अच्छे से फेंट लें। आप देखेंगे कि बैटर का रंग बहुत ही सुंदर गहरा गुलाबी या लाल हो गया है।

इसमें थोड़ा नमक मिलाएं। इसके बाद, एक कटोरे में कद्दूकस किया हुआ पनीर लें। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, हरा धनिया, थोड़ा नमक, काली मिर्च और चाट मसाला मिलाएं। इसे हल्के हाथ से मिक्स करें। आपकी प्रोटीन से भरपूर स्टफिंग तैयार है। अब एक नॉन-स्टिक तवे को गर्म करें और उस पर थोड़ा तेल लगाएं। एक कलछी भरकर चुकंदर वाला बैटर तवे पर डालें और उसे गोल-गोल फैलाएं। किनारों पर थोड़ा घी या तेल डालें और मध्यम आंच पर पकने दें। जब डोसा नीचे से क्रिस्पी हो जाए, तो उसके बीच में पनीर की स्टफिंग रखें और डोसे को फोल्ड कर दें। लीजिए, तैयार है आपका गरमा-गरम और कुरकुरा चुकंदर-पनीर डोसा। इसे नारियल की चटनी या सांभर के साथ परोसें। यह न केवल आपकी भूख मिटाएगा बल्कि आपको पूरे दिन के लिए फिट भी रखेगा।

बातचीत का तरीका बदलेंगे, तो सुधर जाएगी इमेज

10 बातें अपनी डिक्शनरी से आज ही करें डिलीट

क्या कभी आपको ऐसा महसूस होता है कि लोग आपसे बात करने से

क्या कभी आपको ऐसा महसूस होता है कि लोग आपसे बात करने से कतराने लगे हैं या आपके मैसेज का जवाब देने में देर करते हैं? अक्सर हम सोचते हैं कि हम तो सब सही कर रहे हैं, लेकिन अनजाने में हमारी बातचीत का तरीका ही हमारी 'इमेज' का दुश्मन बन जाता है। अच्छी पर्सनालिटी सिर्फ बढ़िया ड्रेसिंग सेंस से ही नहीं, बल्कि सुलझी हुई बातचीत से बनती है। अगर आप चाहते हैं कि हर कोई आपकी कंपनी पसंद करे, तो अपनी 'लाइफ की डिक्शनरी' से नीचे दी गई इन 10 बातों को आज ही हमेशा के लिए डिलीट कर दें

दूसरों की परेशानियों को छोटा समझना

जब कोई अपनी परेशानी आपसे शेयर करे, तो उसे कम करके न आंकें। दूसरों की समस्याओं को छोटा बताने से सामने वाले को लगता है कि आपको उनकी परवाह नहीं है। एक अच्छे श्रोता बनें और उनकी भावनाओं की कद्र करें।

दोस्तों को मैसेज के जाल में फंसाना

अपने दोस्तों को ऐसे मैसेज भेजना बंद करें जिससे वे फंस जाएं या उन्हें जवाब देने में अनकम्फर्टेबल फील हो। बातचीत को सिंपल और क्लियर रखें, ताकि आपके दोस्त आपसे बात करने में खुशी महसूस करें, न कि दबाव।

विवाद की गलत वजह निकालना

अक्सर हम झगड़े या बहस की असली वजह को नहीं समझ पाते और गलत चीजों पर फोकस करने लगते हैं। किसी भी विवाद को सुलझाने के लिए जरूरी है कि आप पहले यह समझें कि असल समस्या क्या है, न कि हवा में तीर चलाएं।

अलग विचारों को स्वीकार न कर पाना

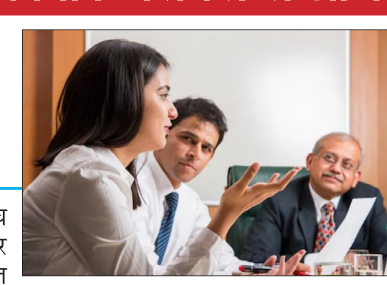

हर किसी की सोच अलग होती है। अगर कोई आपसे सहमत नहीं है, तो उससे लड़ना या परेशान होना छोड़ें। मतभेदों को सहजता से स्वीकार करना एक सुलझे हुए इंसान की पहचान है।

झूठी उम्मीदें देना

रिश्तों में 'ब्रेडक्रंबिंग' यानी किसी को थोड़ी-थोड़ी अटेंशन देकर अटकाए रखना बहुत बुरी आदत है। अगर आप किसी रिश्ते या काम में दिलचस्पी नहीं रखते, तो स्पष्ट रहें। किसी को झूठी उम्मीदों में न रखें।

पब्लिक में वीडियो कॉल करना

सार्वजनिक जगहों पर जोर-जोर से वीडियो कॉल पर बात करना न केवल दूसरों को परेशान करता है, बल्कि आपकी इमेज को भी 'नॉन-सीरियस' बनाता है। इसलिए, हमेशा अपनी बातचीत को पर्सनल ही रखें।

कड़वी बातों को 'ईमानदारी' का नाम देना

कई लोग बहुत कड़वा बोलते हैं और कहते हैं, 'मैं तो बस ईमानदार हूं।' याद रखें, ईमानदारी और बदतमीजी में फर्क होता है। अपनी बात रखें, लेकिन शब्दों का चयन ऐसा हो जिससे दूसरों का दिल न दुखे।

एआई पर हद से ज्यादा निर्भर होना

आजकल लोग बातचीत या काम में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (AI) का बहुत इस्तेमाल करने लगे हैं, लेकिन जब इंसानी रिश्तों और जज्बातों की बात हो, तो अपने शब्दों और दिमाग का इस्तेमाल करें, मशीन का नहीं।

मैसेज देखकर जवाब न देना

किसी का मैसेज पढ़ लेना और फिर जानबूझकर जवाब न देना, सामने वाले का अपमान करने जैसा है। अगर आप बिजी हैं, तो बाद में जवाब दें, लेकिन इग्नोर करने की आदत छोड़ें।

हर खामोशी को भरने की कोशिश करना

बातचीत के दौरान बीच में आने वाली चुप्पी हमेशा बुरी नहीं

आज का राशिफल

मेष : व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें।

वृषभ : यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मिथुन : व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु : आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर : यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कुंभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मीन : कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कपूर के फायदे जानिए...

वास्तु शास्त्र में कपूर जलाने के कई अचूक उपाय बताए गये हैं. कपूर को पूजा पाठ में काफी इस्तेमाल किया जाता है. मान्यता है कि कपूर जलाने से वातावरण सुगंधित होता है और स्वच्छ रहता है. यह भी मान्यता है कि इसको जलाने से नकारात्मक शक्तियां भी खत्म होती हैं. हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान आरती के समय कपूर जालना शुभ माना जाता है. वास्तु शास्त्र में भी कपूर के फायदों का जिक्र है. कपूर से नकारात्मक ऊर्जा जल्द खत्म हो जाती है. वास्तु के जानकर पूर्णिया के पंडित मनोत्पल झा बताते हैं कि कपूर धर्म कर्म के काम से जुड़ा है और यह कई औषधिय गुणों से भी भरपूर होता है. नकारात्मकता को दूर करने के लिए कपूर जलाना बहुत लाभकारी होता है.

खत्म होता है वास्तु दोष

अगर आप घर में रोजाना कपूर की को प्रज्वलित करना शुरू कर देते हैं तो इससे घर में लगा हुआ वास्तु दोष धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा. वास्तु दोष के खत्म होते ही घर में सुख शांति फिर से आने लगती है. साथ ही घर में सौभाग्य भी लौट कर वापस आता है. ऐसे में रोजाना कपूर जालना बहुत शुभ है.

घर में आती है सकारात्मक ऊर्जा

पूजा पाठ के दौरान रोजाना कपूर जलाकर आरती करने से आपका मन शांत रहेगा. इसके साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा. इससे घर के सदस्यों की जिंदगी में ग्रोथ होती है और साथ में सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिलता है.

आर्थिक समृद्धि में वृद्धि

कपूर की ऊर्जा काफी पावरफुल होती है. इसकी महक से घर के हर एक कोने में यह ऊर्जा जाती है. इसे रोजाना जलाने से आर्थिक संकट दूर होता है. ऐसे में धन- धान्य में वृद्धि होती है.

बुरी नजर करता है दूर

घर में लगी बुरी नजर हटाने के लिए कपूर सबसे सही चीज है. बस इसके साथ आप लौंग भी ले लेंगे तो इसकी ऊर्जा और भी बढ़ जाती है जो की बुरी नजर हटाने के लिए जरूरी है. आप चाहे तो रोज कपूर जलाकर अपने घर को क्लीन कर सकते हैं. इसमें लौंग रखकर दोनों को जलाएं इससे यह और प्रभावी तरीके से काम करेगा. यह किसी भी तरह की बुरी ऊर्जा और बुरी नजर को दूर करने के काम आता है.

खत्म होता है ग्रहों का बुरा प्रभाव

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को किसी ग्रह का दोष है वह लोग भी कपूर जलाकर अपनी मुश्किलों को काफी हद तक कम कर सकते हैं. ग्रह के दोष के चलते जीवन में कई बार काम बनते बनते बिगड़ जाते हैं. ऐसे में बाकी उपाय के साथ-साथ घर में रोजाना कपूर जलाने से इस मामले में शांति मिल सकती है.

वात और कफ को संतुलित करता है भुना चना

भुना चना कई गुणों से भरा होता है .गर्मियों में इसका सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाता है, लेकिन उसके उलट सर्दियों में शरीर को उष्णता देता है .आयुर्वेद की मानें तो सर्दियों में पाचन शक्ति गर्मियों के मुकाबले प्रबल होती है और भारी से भारी भोजन को पचा सकती है .ऐसे में चना को पचाने में पेट को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती और सारे पोषक तत्व शरीर को मिल जाते हैं.

सर्दियों में ये दोनों दोष शरीर में तीव्र गति से बढ़ते हैं.अगर सर्दियों में भुने चने का सेवन किया जाए, तो दोनों दोषों को संतुलित कर कई बीमारियों से बचा जा सकता है.इसके अलावा अगर कमजोरी या थकान महसूस होती है, तो भुने चने का सेवन शरीर को ऊर्जा देता है और मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करता है.

सर्दियों में बार-बार भूख लगने की समस्या से निजात- ये सेवन में भारी होता है और इसे पचने में समय लगता है, इसलिए एक बार सेवन के बाद 3 से 4 घंटों तक भूख नहीं लगती.सर्दियों में अधिकांश लोगों में वजन बढ़ने की समस्या देखी जाती है.भुना चना वजन नियंत्रण में भी सहायता करता है.

इसका सेवन कैसे करें- सुबह खाली पेट गुड़ के साथ भुने चने का सेवन लाभकारी रहेगा.इससे शरीर में आयरन का अवशोषण बढ़ता है. दूसरा चाय के साथ चने का सेवन कर सकते हैं. इसके लिए भुने चने में थोड़ा अजवाइन और सेंधा नमक मिलाकर लें. इससे पाचन दुरुस्त होता है और पाचन शक्ति भी बढ़ती है.इसके अलावा रात में भिगोकर सुबह भी भुने चने का सेवन सुबह भी किया जा सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बाघ के हमले में 13 साल की लड़की की मौत

बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) के एक बाघ के हमले से दहशत फैल गई है। वीटीआर के मदनपुर वन क्षेत्र से सटे इलाके में टाइगर अटैक में 13 साल की लड़की की मौत हो गई। बाघ ने किशोरी को मारकर अपना निवाला बना लिया। यह घटना बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बगहा से करीब 30 किलोमीटर दूर यूपी के महाराजगंज जिले के सोहगीबरवा वन क्षेत्र अंतर्गत मरचहवा गांव की है। मृतक किशोरी की पहचान मरचहवा गांव निवासी उमेश कन्नौजिया की बेटी गुड्डी उर्फ लचीया के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार शुक्रवार दोपहर गुड्डी उर्फ लचीया कुमारी अपनी बड़ी बहन के साथ खेत में गन्ना काटने गई थी। इसी दौरान बड़ी बहन अलाव के लिए लकड़ी लेने पास में चली गई। जब वह लौटी तो लचीया वहां नहीं मिली।

पिता की हत्या में मां को जेल, बाबा संग रह रही नाबालिग बच्ची से ताऊ ने किया रेप

कानपुर. यूपी में कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। गुरुवार शाम को 13 वर्षीय किशोरी को घर में अकेला पाकर उसके सगे ताऊ ने दुष्कर्म किया। बदहवास बच्ची पड़ोसी महिला के घर पहुंची तो उसने यूपी-112 के जरिये पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पीड़िता के बाबा की तहरीर पर दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बर्रा क्षेत्र में रहने वाली महिला ने सूचना दी कि किशोरी से उसके ताऊ ने दुष्कर्म किया है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची। किशोरी ने बताया कि पिता की हत्या के आरोप में मां के जेल जाने के बाद से वह छोटे भाई-बहनों के साथ ताऊ और बाबा के साथ रह रही है। करीब एक साल पहले भी ताऊ ने नशे की हालत में उसके साथ गलत करने की कोशिश की थी। इसकी शिकायत बाबा से की थी, तो उन्होंने ताऊ को फटकार लगाई थी।

भाजपा नेता की मां का गला दबाकर लूट, बाइक छोड़ भागा लेकिन ऐसे पकड़ा गया

कानपुर. यूपी में कानपुर के फजलगंज में गुरुवार सुबह करीब सात बजे घर में घुसकर भाजपा नेता की मां से लूट हो गई। युवक ने 85 साल की वृद्धा का गला दबाकर 73 हजार रुपये छीन लिए। घर से भागते समय पड़ोसियों ने देखकर शोर मचाया तो वह अपनी स्पोर्ट्स बाइक छोड़कर फरार हो गया। दो घंटे बाद वह बाइक लेने पहुंचा तो इलाकाई लोगों ने उसे पीटकर पुलिस को सौंप दिया। प्रतापगंज गड़रियन पुरवा निवासी जितेंद्र वाल्मीकि गुरुनानक मोटर मार्केट फजलगंज में प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह भाजपा लाजपत नगर मंडल के मीडिया प्रभारी भी हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में पत्नी सुनीता व उनकी वृद्ध मां रमाबाई (85) हैं, जो नगर निगम से सफाई कर्मचारी पद से रिटायर हैं। जितेंद्र के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 7 बजे मां घर के बाहर वाले कमरे में सो रहीं थी। उसी समय एक युवक घर से 50 कदम की दूरी पर स्पोर्ट्स बाइक खड़ी करके घर में घुसा और मां का गला दबा दिया।

6 लाइन में रिपोर्ट निपटाने वाले दारोगा खुद 'निपट' गए, हुए सस्पेंड

कानपुर. यूपी के कानपुर में किशोरी से दुष्कर्म मामले में गुरुवार को पुलिस ने आरोपित यूट्यूबर को जेल भेज दिया है, वहीं फरार दरोगा की तलाश की जा रही है। किशोरी की मेडिकल रिपोर्ट में ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिसके बाद डॉक्टरों ने दुष्कर्म की आशंका से इनकार नहीं किया है। इसके साथ ही मामले में गैंगरेप की धारा भी बढ़ा दी गई है। मामले में निलंबित किए गए सचेंडी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विक्रम सिंह की लापरवाही सामने आई है।

वेनेजुएला का तेल भारत को देगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी. ट्रम्प दुनिया की बड़ी ऑयल कंपनियों के अफसरों से मिले; रिलायंस भी तेल खरीद सकती हैअमेरिका, भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की इजाजत दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है।

अधिकारी के मुताबिक यह सब अमेरिका की निगरानी और शर्तों के साथ होगा। हालांकि इससे जुड़ी शर्तें क्या हैं, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

इसका मतलब यह है कि अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से जो व्यापार रुका हुआ था, वह अब फिर से शुरू हो सकता है।

वहीं, रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस भी चाहती है कि अमेरिका उसे वेनेजुएला का तेल खरीदने की इजाजत दे दे।

दूसरी ओर ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट में दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। यहां उन्होंने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में करीब 9 लाख करोड़ रुपए के निवेश की बात कही।

वेनेजुएला पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (OPEC) का सदस्य है। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का सिर्फ करीब 1% ही देता है।

अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे, अमेरिका ने सेकेंडरी सेंक्शंस भी लगा दिए, यानी जो भी देश या कंपनी वेनेजुएला से तेल खरीदती है, उसे अमेरिकी बाजार में व्यापार करने या बैंकिंग सुविधाओं से रोक दिया जा सकता था।

इस वजह से कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया। भारत भी वेनेजुएला से बहुत ज्यादा तेल खरीदता था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि तब भारत अपने कुल तेल आयात का लगभग 6% वेनेजुएला से लेता था।

अगर भारत को फिर से वेनेजुएला का तेल खरीदने की अनुमति मिल जाती है, तो उसे अलग-अलग देशों से तेल मंगाने का एक और विकल्प मिलेगा। इससे भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता

- अमेरिका ने कुछ समय के लिए (2023-2024 में) वेनेजुएला पर आंशिक रूप से सेंक्शंस ढीले किए, जिससे भारत ने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदा।
- 2024 में भारत का आयात औसतन 63,000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। इसके बाद 2025 में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया।
- लेकिन मई 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर से वेनेजुएला के तेल पर सख्ती बढ़ा दी। इसके बाद 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला से भारत का क्रूड आयात सिर्फ 0.3% रह गया।

वेनेजुएला से तेल खरीदने की कोशिश में रिलायंस

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वेनेजुएला से फिर से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से मंजूरी लेने की कोशिश शुरू कर दी है। इस मामले से जुड़े दो सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल आयात कम करने का दबाव बना रहे हैं और रिलायंस अपने लिए वैकल्पिक तेल सप्लाई सुरक्षित करना चाहती है।

मोदी 17 जनवरी को करेंगे पहली वंदेभारत स्लीपर का उद्घाटन

- **गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी**
- **6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस की भी लॉन्चिंग**

नई दिल्ली. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कोलकाता और गुवाहाटी के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर 17 जनवरी से चलेगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन में करेंगे। यह ट्रेन 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी।

वहीं, रेल मंत्री के मुताबिक 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस भी लॉन्च की जाएंगी। इनकी सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से मिलना शुरू हो जाएंगी। दिल्ली में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में गुरुवार को वैष्णव ने बताया कि

भारतीय रेलवे में 2026 में एक बड़ा बदलाव होगा। सभी तरह के सुधारों पर के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शामिल है।

रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका अपनाया जाएगा। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका पेश किया जाएगा, ताकि भारत के स्टार्टअप और इनोवेटिव दिमाग रेलवे से जुड़ सकें।

इसके लिए एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। रखरखाव की गतिविधियों के लिए AI का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा।

स्लीपर का शुरुआती किराया 2300 रुपए

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के थर्ड एसी का किराया ₹2,300 तय किया गया है। सेकेंड एसी का किराया 3,000 होगा। फर्स्ट AC का किराया करीब 3,600 प्रस्तावित किया गया है।

स्लीपर ट्रेन को 1000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस साल के आखिर तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार हो जाएंगी।

30 दिसंबर को इस ट्रेन का ट्रायल रन किया गया था। यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा, इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका।

रेस लगा रही ऑडी ने 16 को रौंदा, एक मौत

जयपुर. जयपुर में शुक्रवार रात रेसिंग कर रहे एक ऑडी कार ने कहर मचा दिया। मानसरोवर के भीड़भाड़ वाले इलाके में 120 की रफ्तार से दौड़ रही ऑडी कार पहले बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई, फिर सड़क किनारे लगी फूड स्टॉल्स में घुस गई।

इस दौरान वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कार करीब 16 लोगों को रौंदते हुए एक पेड़ से टकराकर रुकी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, चार लोग गंभीर घायल हैं।

ऑडी में ड्राइवर सहित 4 लोग बैठे थे। इनमें जयपुर पुलिस का सिपाही भी है। घटना के तुरंत बाद भीड़ ने एक कार सवार को पकड़ लिया था। जबकि, एक युवक को शनिवार सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

आरोपी ड्राइवर दिनेश सहित दो लोग फरार हैं। जानकारी के अनुसार चारों लोग नशे में थे। हादसा रात करीब 9:30 बजे पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित खरबास सर्किल के पास हुआ। गाड़ी का इंश्योरेंस भी नहीं था।

ओडिशा में 9 सीटर चार्टर फ्लाइट की क्रैश लैंडिंग

- **2 पायलट समेत 4 यात्री घायल**
- **इनमें दो महिलाएं भी;**
- **भुवनेश्वर से राउरकेला आ रहा था विमान**

राउरकेला. ओडिशा के राउरकेला में शनिवार दोपहर 9 सीटर फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हुई। इंडिया वन एयर के चार्टर विमान की तकनीकी खराबी के बाद क्रैश लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 6 लोग सवार थे, जिनमें 4 यात्री और 2 पायलट शामिल हैं। सभी लोग घायल हैं। कुछ को गंभीर घाव हैं।

अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट भुवनेश्वर से राउरकेला आ रही थी। क्रैश की घटना राउरकेला से 10 Km दूर खुले मैदान में हुई। क्रैश की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें नजर आ रहा है कि VT KSS प्लेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। उसके विंग्स भी क्षतिग्रस्त हैं।

चार्टर प्लेन में सवार लोग

अनीता साहू, सुनील अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुशांत कुमार बिस्वाल

पायलट

तरुण श्रीवास्तव, नवीन खंगार

दुश्मन का मनोबल तोड़ने के लिए लड़ते हैं जंग

डोभाल बोले- हम मनोरोगी नहीं कि शव देखकर खुशी मिले

मौजूदा लीडरशिप ने 10 साल में देश बदला

नई दिल्ली. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए लड़े जाते हैं। उन्होंने कहा, 'हम साइकोपैथ (मनोरोगी) नहीं हैं, जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष या सुकून मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जाती।

उन्होंने कहा कि युद्ध किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करें और हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें।

अजीत डोभाल ने शनिवार को नई दिल्ली में विकसित भारत यंग

लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह के दौरान ये बाते कहीं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप अपनी इच्छाशक्ति बढ़ा सकते हैं। वही इच्छाशक्ति राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है।

दुनिया में हो रहे सभी युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका विरोध न कर सके तो वह हमेशा स्वतंत्र रहेगा। लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है।

मनोबल बनाए रखने के लिए लीडरशिप जरूरी होती है। आज हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है। एक ऐसा लीडर जिसने 10 सालों में देश को कहां से कहां पहुंचा दिया।

आज का स्वतंत्र भारत हमेशा से उतना स्वतंत्र नहीं था। इसके लिए हमारे पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए। अपमान झेला और बेबसी के दौर से गुजरे। कई लोगों को फांसी हुई। हमारे गांव जलाए गए। हमारी सभ्यता को नुकसान पहुंचाया गया।

यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि आज भारत के हर युवा के अंदर एक आग होनी चाहिए। 'बदला' शब्द शायद बहुत अच्छा न लगे, लेकिन बदला खुद एक ताकतवर एहसास है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है। हमें इस देश को उस मुकाम पर वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, अपने विचारों और अपने विश्वास के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें।

राम मंदिर में नमाज पढ़ने लगा शख्स, हिरासत में लिया

अयोध्या. अयोध्या के राम मंदिर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. राम मंदिर परिषद में एक शख्स ने नमाज पढ़ने की कोशिश की. जब कुछ लोगों ने उसे ये करते हुए देखा तो हैरान रह गए. लोगों ने रोकने की कोशिश की तो संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा. इस पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे हिरासत में लिया. शख्स समुदाय विशेष का बताया जा रहा है.

राम मंदिर परिषद के दक्षिणी परकोटे पर युवक नमाज पढ़ रहा था. तभी कुछ लोगों की नजर पड़ गई. फिर बवाल होने पर सुरक्षा बलों ने हिरासत में ले लिया. पकड़े गए युवक से खुफिया एजेंसी, पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं.

जम्मू कश्मीर में ड्रोन से गिराई गई हथियारों की खेप

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2 पिस्तौल, 3 मैगजीन, 16 कारतूस और एक ग्रेनेड सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि

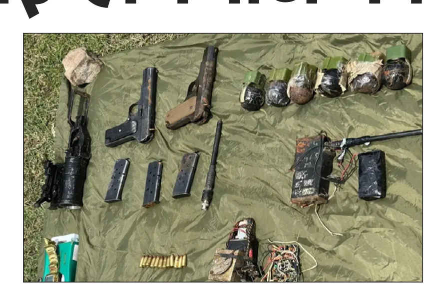

सीमा पार से ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (BSF) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (SOG) की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार देर रात घगवाल क्षेत्र के पलोरा गांव में तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी दल को एक नाले के किनारे पीले रंग की टेप में लिपटा पैकेट मिला, जिसे बम निरोधक दस्ते की मदद से खोला गया। उन्होंने बताया कि पैकेट से हथियार बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक तलाश अभियान जारी था।

SG ने 3 बांग्लादेशी प्लेयर्स की स्पॉन्सरशिप होल्ड की

- **कप्तान लिटन दास और मोमिनुल हक के नाम**

ICC से टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग पर आड़े बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की परेशानी बढ़ती जा रही है। BCCI से विवाद के बीच भारत की स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरर कंपनी सैंसपेरिल्स ग्रीनलैंड्स (SG) ने कप्तान लिटन दास और मोमिनुल हक जैसे कई प्लेयर्स की स्पॉन्सरशिप होल्ड कर दी है।

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने कुछ स्पॉन्सरशिप होल्ड की है। भारतीय टीम बांग्लादेश से काफी समय से क्रिकेट नहीं खेल रही है। ऐसे में वहां के प्लेयर्स को स्पॉन्सर करने का कोई तुक नहीं बैठता है।

तमीम इकबाल बोले- इमोशंस से फैसला न लें

इस बीच वहां के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने BCB से कहा- 'टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने पर फैसला इमोशंस से न लें। क्योंकि, ऐसे किसी भी फैसले का असर अगले 10 साल तक पड़ सकता है।' तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को IPL से हटाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के संबंध तनाव पूर्ण हैं। जवाब में बांग्लादेश की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल ने तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा।

BCB ने 5 दिन में दूसरी बार ICC से अपने मैचों के वेन्यू बदलने की मांग की है। उसने खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल के साथ चर्चा के बाद दूसरी बार लेटर लिखा। इसमें BCB ने ICC को सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का पूरा ब्योरा दिया है। बांग्लादेशी बोर्ड ने 4 जनवरी को पहला पत्र लिखा था।

KKR से मुस्तफिजुर को रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की सरकार ने IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया था। साथ ही भारत में वर्ल्ड कप मैच खेलने से भी इनकार कर दिया था।

लाश के टुकड़े करके ड्रम में छिपाने की एक और घटना

- **दोस्त की हत्या के आरोप में पति-पत्नी गिरफ्तार**

लुधियाना. पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने 35 वर्षीय व्यक्ति की निर्मम हत्या के आरोप में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव जालंधर बाईपास के पास एक सुनसान जगह से बरामद किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान दविंदर के रूप में हुई है, जो मुंबई में प्रिंटिंग और ग्राफिक डिजाइन की दुकान में काम करता था। वह मुंबई से कुछ ही दिन

पहले लौटा था और अपने घर पर करीब 15 मिनट ठहरने के बाद बाहर चला गया, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (DSP) समीर वर्मा के अनुसार, मुख्य आरोपी शमशेर, दविंदर का मित्र था और उन्होंने बुधवार को साथ में नशीले पदार्थों का सेवन किया था। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर कथित तौर पर बहस हुई। उन्होंने बताया कि बहस के बाद शमशेर ने मौके पर मौजूद धारदार हथियार से दविंदर पर कथित रूप से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। शमशेर बढ़ई का काम करता है। अपराध को छिपाने के प्रयास में शमशेर और उसकी पत्नी ने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए, अवशेषों को बोरी में भरा और उन्हें अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगा दिया।

ड्रम के अंदर मिले शव के टुकड़े

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति का शव कई टुकड़ों में कटा हुआ मिला, जिसके कुछ अवशेष गुरुवार को सलेम तबरी क्षेत्र में एक ड्रम के अंदर पाए गए। शव का एक अंग, ड्रम से करीब एक किलोमीटर दूर मिला था और ये सड़ना शुरू हो गया था। अधिकारी ने बताया कि अपराध के बाद इसके उजागर होने के कथित तौर पर डर के कारण उसकी पत्नी भी शव को ठिकाने लगाने में शामिल हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने 80 वर्षीय दोषी की सजा में संशोधन किया

- **कहा- कोर्ट को असंवेदनशील नहीं होना चाहिए**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अदालतों को असंवेदनशील नहीं होना चाहिए। इसी टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने 1992 के एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए गए 80 वर्षीय व्यक्ति की सजा में संशोधन करते हुए उसे पहले ही जेल में बिताई गई अवधि तक सीमित कर दिया।

हालांकि, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजरिया की पीठ ने उस व्यक्ति की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, जिसने इस मामले में कुल छह साल तीन महीने की अवधि जेल में काटी है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 भाग-दो के तहत दोषी ठहराते हुए सात साल की जेल की सजा सुनाई थी।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''इस समय अपीलकर्ता की आयु 80 वर्ष से अधिक है। चूंकि, अपीलकर्ता वृद्ध व्यक्ति है और अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर है, इसलिए इस अवस्था में उसे दोबारा जेल भेजना कठोर और अनुचित होगा। अदालतों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे असंवेदनशील हों।''

अपीलकर्ता की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए, पीठ ने कहा कि उसकी अधिक उम्र और सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, उसकी सजा घटाकर उतनी की जाती है, जितनी वह पहले ही भुगत चुका है। पीठ ने कहा, ''सजा में संशोधन के साथ यह अपील खारिज की जाती है।''

एक निचली अदालत ने दिसंबर 1997 में अपीलकर्ता को अन्य लोगों के साथ हत्या सहित अन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराया था और उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद उस व्यक्ति ने उच्च न्यायालय में अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने उसकी दोषसिद्धि और सजा बरकरार रखी थी, जिसके बाद उसने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

हिंदू लड़के को पीट कर किया अधमरा, फिर जहर पिला दिया

- **बांग्लादेश में एक और हॉरर स्टोरी**

ढाका. बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा पर लगाम नहीं लग रहा है. अब एक और हिंदू लड़के पर कट्टरपंथी जानवर बनकर टूट पड़े हैं. पहले उसे पीट-पीट कर अधमरा किया गया और फिर उसे जहर पिलाकर जान ले ली गई. इस लड़के की पहचान जॉय महापात्र के तौर पर हुई है, जिसका शव कट्टरपंथियों ने पहचानने लायक भी नहीं छोड़ा था. हिंदुओं की हत्या ये पैटर्न 13वें संसदीय चुनावों के ऐलान के बाद दोबारा शुरू हुआ था. जिसका तमाशा यूनुस इस तरह चैन से बैठकर देख रहे हैं, जैसे उन पर कोई आंच नहीं आने वाली.

मां ने 10 महीने के लड़के को जहर देकर मार डाला

हैदराबाद. हैदराबाद से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक 27 वर्षीय महिला घरेलू झगड़ों से तंग आकर सबसे पहले अपने 10 महीने के बच्चे को जहर देकर मार डाला और फिर उसके बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति के साथ झगड़ा चल रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक महिला और बच्चों को मृत अवस्था में देखने के बाद बच्चे की नानी ने भी आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचा लिया गया।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक महिला की पहचान 27 वर्षीय सुषमा के रूप में हुई है। सुषमा की शादी चार साल पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट यशवंथ रेड्डी से हुई थी। दंपत्ति का एक दस महीने का बेटा था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच में अक्सर झगड़ा हो रहा था।

घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि झगड़े के कुछ दिन बाद सुषमा अपनी मां ललिता के घर आई थी। इसी दौरान उसने अपने बच्चे के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया और जहर खा लिया। जब रात में यशवंत भी वहां पहुंचा तो उसने अपने बच्चे और पत्नी को कमरे के अंदर बंद पाया।

आगरा में पकड़े गए 38 नागरिकों को वापस भेजा गया बांग्लादेश

आगरा. यूपी के आगरा में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया गया है। पुलिस ने अभियान चलाकर तीन साल पहले उन्हें पकड़ा था। इसके बाद कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। शनिवार को जेल से निकलने के बाद सभी 38 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने के आगरा से रवाना कर दिया गया। सहायक पुलिस आयुक्त (अभिसूचना) दिनेश सिंह ने बताया कि आगरा के सिकंदरा थानाक्षेत्र के सेक्टर-15 में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी पकड़े गए और किसी के भी पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था।

संक्षेप...

18 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन

मुंबई. टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) के 21वें सत्र का आयोजन यहां 18 जनवरी को होगा जिसमें भाग लेने के लिए 60,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स 'गोल्ड लेबल' दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल (ऑनलाइन) रन में भाग लेंगे। पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे।हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, "पिछले दो दशकों में टाटा मुंबई मैराथन ने लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य और शहर की आर्थिक स्थिति दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

दाढ़ी पे हाथ घुमाया - सुबह का भूला शाम को घर आया

- **अंबरनाथ की राजनीति पर सुनिल चौधरी का बयान**

अंबरनाथ. अंबरनाथ विकास आघाड़ी भाजपा से अलग होकर शिवसेना से तालमेल करने का कारण राकांपा के शहराध्यक्ष एवं नगरसेवक सदाशिव पाटिल ने बताया कि हमारे 4 नगरसेवक हैं. कांग्रेस के 12 नगरसेवकों को भाजपा से हाथ मिलाने पर उन्हें पक्ष से निलंबित किया है. भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में शामिल किया है. हमको ये सब ठीक नहीं लगा. इसलिए हम अंबरनाथ विकास आघाड़ी से अलग हुए हैं. ये सब कैसे मुमकिन हुआ है. पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी ने कहा कि एकनाथ शिंदे एवं सांसद श्रीकांत शिंदे ने ये सब किया है. एकनाथ शिंदे के बारे में उन्होंने कहा कि 'दाढ़ी को गुस्सा आया, दाढ़ी पे हाथ घुमाया. सुबह का भूला शाम को घर वापस आया'.

गोपाल लांडगे ने कहा है कि अब बहुमत हमारे पास हो गया है. विकास कार्य या निर्णय लेने के लिए शिवसेना से सहमति लेनी पड़ेगी. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से हमारी बातचीत हो चुकी थी. हमसे उप नगराध्यक्ष के लिए नाम भी मांगा गया था, लेकिन हमको गफलत में रखकर स्थानीय भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को साथ लेकर अंबरनाथ विकास आघाड़ी बना लिया. लांडगे ने आरोप लगाया है कि भाजपा के स्थानीय नेताओं ने युति धर्म का पालन नहीं किया है. आरोप-प्रत्यारोप जारी है. 12 जनवरी को कौन उप नगराध्यक्ष होगा, इस पर शहरवासियों की नजर लगी हुई है. अंबरनाथ विकास आघाड़ी ने प्रदीप पाटिल को उप नगराध्यक्ष का उम्मीदवार बनाया है.

गोरेगांव में घर में लगी भीषण आग

मुंबई. मुंबई के गोरेगांव पश्चिम स्थित भगत सिंह नगर में एक घर में शनिवार, 10 जनवरी की सुबह करीब 3 बजे आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घर में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने भी आग पर काबू पा लिया। लेकिन घर में सो रहे तीनों लोगों की दम घुटने से मौत हो गई, जिसमें दो पुरुष और एक महिला शामिल है।

मुंबई में शनिवार तड़के सुबह भगत सिंह नगर के एक घर में आग लग गई। पुलिस और दमल विभाग की गाड़ियां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं। लेकिन घर में सो रहे तीन लोगों को नहीं बचा पाई। मुंबई पुलिस का कहना है कि इस घटना में दम घुटने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। मुंबई अग्निशमन विभाग को आग लगने की जानकारी सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर मिली थी।

प्रभाग नंबर 1 का होगा चहुंमुखी विकास -पद्मा गाजेंगी

अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज का भाजपा प्रत्याशी पद्मा कृष्णा गाजेंगी को खुला समर्थन

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर महायुति उम्मीदवारों का प्रचार अभियान तेज हो गया है. प्रभाग 1से भाजपा प्रत्याशी पद्मा कृष्णा गाजेंगी की गांव देवी मंदिर प्रांगड़ में हुई चुनाव प्रचार सभा में अखिल पद्मशाली समाज ने पूर्ण समर्थन का भरोसा देकर महायुति उम्मीदवारों को जिताने का संकल्प लिया. उक्त अवसर पर अखिल पद्मशाली समाज के वरिष्ठ समाजसेवक सोमेश्वर चिटटीमल्ले, लक्ष्मण मंथेन, श्रीनिवास श्रीमल्ले,नरेंद्र वेंगल, व्यंकटेश बुरेली,कृष्णा गाजेंगी, एड व्यंकटेश चिटकेन,श्रीधर रुद्रा,राजू कोमाटी,राजू पोतन, व्यंकटेश गालीपेल्ली, सिद्धेश्वर मलीपेटी सहित तेलुगू समाज के गणमान्य बुजुर्ग, पुरुष, महिला, युवा मतदाता, समर्थक भारी तादाद में मौजूद थे.

विकास का मुद्दा सब पर भारी

प्रभाग 1 से भाजपा 'कमल' दमदार प्रत्याशी पद्मा कृष्णा गाजेंगी और भाजपा विधायक पुत्र मीत चौगुले सहित पैनल प्रत्याशियों के साथ अपने पति समाजसेवी कृष्णा गाजेंगी एवं समर्थकों की टीम के साथ क्षेत्रीय विकास एजेंडे पर मतदाताओं से हाथ जोड़कर समर्थन मांग रही हैं .भाजपा प्रत्याशियों को सर्व समाज का समर्थन मिलने से विरोधियों के हौंसले पस्त होना शुरू है .भाजपा विधायक महेश चौगुले क्षेत्र में सर्वांगीण विकास का वादा कर महायुति प्रत्याशियों को बहुमत से जिताने की अपील क्षेत्रीय वोटरों से कर रहे हैं. पांजरापोल,कोंबड पाड़ा, संगम पाड़ा क्षेत्रों में रहने वाले अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज के असंख्य समर्थक महायुति प्रत्याशी पद्मा गाजेंगी सहित पैनल उम्मीदवारों को जिताने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है .शहर के सबसे हॉट प्रभाग पर सिर्फ 'कमल' का शोर सुनाई दे रहा है.

कु. स्नेहा मनोज सिंह को जिताने उत्तर भारतीय हुए एकजुट

प्रचार रैली में उमड़े जनसैलाब से विरोधियों के सपनों पर पानी फिरने के आसार

भिवंडी. मनपा क्रमांक 22 (ब) पंखा निशान की प्रत्याशी कु.स्नेहा मनोज सिंह उत्तर भारतीय समाज के वोटरों की पहली पसंद बन चुकी हैं.उनकी रैली,पदयात्रा में भारी संख्या में पुरुष, महिलाएं, युवा वर्ग उत्साह से शामिल होकर पंखा पर बटन दबाकर तेजतर्रार,शिक्षित प्रत्याशी कु.स्नेहा सिंह को वोट कर भारी मतों से जिताने की मनुहार करते दिखाई पड़ रहा है.भाजपा तेजतर्रार उत्तर भारतीय नेता नेता एवं उत्तर भारतीय आघाड़ी पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज सिंह विकास के मुद्दे पर अपनी पुत्री कु.स्नेहा सिंह को बहुमूल्य वोट देने की अपील प्रबुद्ध मतदाताओं से कर रहे हैं.उत्तर भारतीय समाज के तमाम लोग उनकी जीत सुनिश्चित करने हेतु जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं.पंखा चुनाव निशान की प्रत्याशी स्नेहा सिंह द्वारा मानसरोवर शिव मंदिर में माथा टेककर हजारों महिला, पुरुष समर्थको के साथ फेना पाड़ा,फेना गांव, गणेश नगर, भाग्य नगर रहिवासी क्षेत्रों तक निकाली गई विशाल प्रचार रैली में समाजसेवी एस पी सिंह, उद्योगपति अनिल सिंह, महेंद्रप्रताप सिंह, सदाप्रकाश सिंह, अजीत सिंह, रविंद्र तिवारी, अभिमन्यु सिंह, गोपाल सिंह, मुन्ना सिंह,प्रमोद पांडे,अवस्थी सहित क्षेत्रीय समर्थक, प्रबुद्ध मतदाता भारी तादाद में शामिल थे.विशाल प्रचार रैली को देखकर विरोधियों के पसीने छूट गए हैं.

- **प्रभाग 22 में 1 वोट कु.स्नेहा सिंह को**

उत्तर भारतीय समाज के असंख्य लोगों का कहना है कि, उत्तर भारतीय समाज का एक वोट तेजतर्रार प्रत्याशी कु.स्नेहा मनोज सिंह (पंखा) को ही देकर बहुमत से जिताना है.मनपा चुनाव में उत्तर भारतीय समाज सहित तमाम परप्रांतीयों की पहली पसंद कु.स्नेहा मनोज सिंह बन गई हैं.उत्तर भारतीय समाज उनको जिताने के लिए जीजान से प्रचार में जुटा है.कु.स्नेहा सिंह महिलाओं की टीम के साथ डोर टू डोर, गली, मोहल्ले मतदाताओं से संपर्क,संवाद कर विकास के लिए वोट मांग रही हैं.वे प्रचार में अन्य प्रत्याशियों को पीछे कर काफी आगे निकल चुकी हैं.

'गैस सिलेंडर' का बटन दबाकर सुनिश्चित करें प्रभाग 22 का विकास

- **नितेश ऐनकर विकास के लिए मांग रहे वोट.**

भिवंडी. प्रभाग 22 (क) गैस सिलेंडर निशान से युवा प्रत्याशी नितेश नामदेव ऐनकर मतदाताओं को क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किए जाने का भरोसा देकर बहुमूल्य वोट की अपील कर रहे हैं. प्रचार पदयात्रा रैली, जनसभा में समर्थकों,वोटरों की भारी भीड़ जुट रही है.मतदाताओं का रुझान ऐनकर की तरफ बढ़ने से चुनाव लड़ रहे भाजपा पैनल प्रत्याशियों के पसीने छूटना शुरू हो गया है.समर्थकों की भारी भीड़ समूचे क्षेत्र में गैस सिलेंडर चुनाव निशान के पत्रक लेकर डोर टू डोर,गली,मोहल्ले जाकर मनपा क्षेत्र के विकास, खुशहाली की खातिर वोट देने की फरियाद कर रहे हैं.क्षेत्र में शुरू धुंआधार प्रचार से विरोधियों के हौंसले पस्त होना शुरू हो गए हैं.

ऐनकर मांग रहे 5 सालों का हिसाब

प्रचार सभाओं में युवा,दमदार प्रत्याशी नितेश ऐनकर चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रतिद्वंद्वियों से विगत 8 वर्षों में जनहित की खातिर अंजाम दिए गए कार्यों का लेखाजोखा मांगकर उनके विकास कार्यों का चिट्ठा खोल रहे हैं. वे गंदगी, टूटी फूटी गटर,गंदा पानी, खराब सड़क,बदहाल शौचालय जैसी मूलभूत समस्याओं को चुनाव जीत कर अविलंब सुविधाजनक किए जाने का भरोसा दे रहे हैं जिसका बेहद अच्छा प्रभाव वोटरों पर देखा जा रहा है.चुनाव क्षेत्र में युवाओं के लिए जिम,लाइब्रेरी और सीनियर सिटीजन क्लब,सांस्कृतिक भवन,बच्चों के लिए पार्क सहित समूचे प्रभाग एरिया को सुविधासंपन्न बनाए जाने का भरोसा देने से मतदाताओं का भारी रुझान देखा जा रहा है.

प्रभाग 6 के विकास के लिए सीटी बटन दबाने की अपील

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव में 5 दिन शेष होने पर तमाम उम्मीदवारों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है. भिवंडी विकास आघाड़ी पूर्व मेयर जावेद दलवी के पैनल से चुनाव लड़ रही शिक्षण मंडल पूर्व सभापति,पार्षद प्रदीप (पप्पू) राका की उच्च शिक्षित पुत्री भिवंडी मनपा पूर्व पार्षद ऋषिका प्रदीप राका क्षेत्रीय विकास के मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान में उतरी हैं.वे पैनल प्रत्याशियों, समर्थकों की टीम सहित अपनी मां के साथ डोर टू डोर जाकर बड़ी विनम्रता से भिवंडी विकास आघाड़ी पैनल को मतदाताओं से जिताने का आशीर्वाद मांग रही हैं.सुशिक्षित मनपा पूर्व पार्षद ऋषिका राका घर-घर जाकर प्रभाग के सर्वांगीण विकास का भरोसा देकर मतदाताओं से बहुमूल्य वोट की अपील कर रही हैं.

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का वादा

भिवंडी विकास मंच के पैनल में शामिल तमाम प्रत्याशी मनपा चुनाव जीतकर स्वच्छ पानी आपूर्ति, सड़क, शौचालय, गटर,बाजार स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बच्चों का खेल पार्क, हाईमास्क लाइटें, बुजुर्गों को सीनियर सिटीजन क्लब, उत्कृष्ट स्कूल,युवाओं को जिम, लाइब्रेरी जैसी मूलभूत सुविधा मुहैया कराए जाने का भरोसा देते हुए सर्व समाज से समर्थन की अपील कर रहे है.जन समस्याओं की गहरी समझ रखने वाली ऋषिका प्रदीप राका मंडई,पार नाका, तीन बत्ती बाजार क्षेत्र में भारी ट्रैफिक जाम समस्या के

लता राजू गाजेंगी को मिल रहा भारी जनसमर्थन

- **विकास के लिए सीटी को मतदान**

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव में 5 दिन शेष होने पर तमाम उम्मीदवारों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है. भिवंडी मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति, अखिल पद्मशाली समाज के वरिष्ठ नेता राजू गाजेंगी की धर्मपत्नी लता गाजेंगी प्रभाग 22 (अ) से विकास के मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान में उतरी हैं.वे समर्थकों की टीम के साथ चुनाव प्रचार में जुटी हैं. 15 जनवरी को चुनाव जीतकर अविलंब जन समस्याओं के समाधान का वादा करने वाली सीटी चुनाव निशान की स्वच्छ छवि प्रत्याशी लता राजू गाजेंगी सर्वांगीण विकास का भरोसा देकर मतदाताओं से बहुमूल्य वोट (सीटी) पर किए जाने की अपील कर रही हैं.

- **क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का वादा**

लता राजू जानेंगी मनपा चुनाव जीतकर प्रभाग 22 (अ) क्षेत्र में स्वच्छ पानी आपूर्ति, सड़क, शौचालय, गटर, वराला देवी तालाब की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बच्चों का खेल पार्क, हाईमास्क लाइटें, बुजुर्गों को सीनियर सिटीजन क्लब, उत्कृष्ट स्कूल,युवाओं को जिम,लाइब्रेरी जैसी मूलभूत सुविधा मुहैया कराए जाने का भरोसा देते हुए समर्थन की अपील कर रही है.प्रभाग 22 (अ) सीटी प्रत्याशी लता गाजेंगी के प्रति वोटरों का एकतरफा झुकाव होने से विरोधियों की नींद हराम होने लगी है.

- **अखिल पद्मशाली समाज का खुला समर्थन**

अखिल पद्मशाली समाज उपाध्यक्ष भरत गालीपेल्ली सहित समाज के तमाम वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा लता राजू गाजेंगी के पक्ष में खुला प्रचार किए जाने से समूचा तेलुगू समाज प्रचार में जुटा है.समूचा तेलुगू समाज,उत्तर भारतीय,बिहारी समाज की पहली पसंद की प्रत्याशी के रूप में समूचे क्षेत्र में लता गाजेंगी का नाम मतदाताओं के मुख पर आने से विरोधियों के सपनों पर पानी फिरता नजर आने लगा है. विकास की प्रतीक सीटी निशान प्रत्याशी लता राजू गाजेंगी चुनाव प्रचार में विरोधियों को पछाड़कर काफी आगे निकल चुकी हैं.

ठाणे मनपा क्षेत्र में मतदान जागरूकता अभियान

- **नागरिकों ने दिया उत्साहपूर्वक प्रतिसाद**

ठाणे. मनपा आम चुनावों की पृष्ठभूमि में मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए शहर के कई प्रभाग समिति में स्वीप पहल के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मतदान प्रतिशत बढ़ाने और अधिकतम नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए, ठाणे मनपा के माध्यम से जन जागरूकता पैदा की जा रही है। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव, स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में, शहर के विभिन्न हिस्सों में हर दिन जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है।दिवा प्रभाग समिति के तहत दातिवली तालाब पर स्वीप टीम द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को मतदान के महत्व, लोकतंत्र में भागीदारी और एक जिम्मेदार मतदाता की भूमिका के बारे में एक प्रभावी संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्वीप टीम के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

इसके अलावा, मुंब्रा वार्ड क्रमांक 1 में विभिन्न स्थानों पर स्वीप टीम द्वारा मतदान जागरूकता का कार्य किया गया। 26, 30, 31 और 32. खासकर पेट्रोल पंप, बैंक और सब्जी मंडी जैसी भीड़ वाली जगहों पर लोगों को वोटिंग की अहमियत समझाई गई।साथ ही, इंडियन पोस्टल डिपार्टमेंट के वार्ड नंबर 23 के कलवा सब-पोस्ट ऑफिस में स्वीप पहल के तहत मतदान की शपथ दिलाई गई। प्रोग्राम में पोस्ट ऑफिस की हेड शारदा पिल्लई मैडम, ऑफिस स्टाफ और स्वीप टीम के सदस्य शामिल हुए।स्वीप टीम ने वागले प्रभाग समिति के तहत वार्ड नंबर 16, 17, 18 के सी.पी. तलाव, शांतिनगर और मस्जिद गली इलाकों के स्कूलों का भी दौरा किया और स्टूडेंट्स और टीचर्स को 'मतदान' ऐप के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर स्टूडेंट्स ने मतदान अवेयरनेस राउंड निकाला और इलाके के लोगों को मतदान के बारे में अवेयर किया। इन सभी पहलों के ज़रिए यह मैसेज अच्छे से दिया जा रहा है कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग 15 जनवरी को अपने मत के अधिकार का इस्तेमाल करें।

बॉर्डर-2 के गाने के लिए वरुण धवन का उड़ा मजाक

- **दावा- निगेटिव पीआर कैंपेन के जरिए किया गया टारगेट,**
- **एक्टर ने भी दिया रिएक्शन**

बॉर्डर 2 का गाना 'घर कब आओगे' रिलीज होने के बाद से वरुण धवन ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। एक्टर के एक्सप्रेशन और एक्टिंग को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

सोशल मीडिया पर कई इंफ्लुएंसर गाने से वरुण का एक्सप्रेशन का मजाक उड़ाते हुए वीडियो बना रहे हैं। इसी बीच रेडिट पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वरुण की ट्रोलिंग पेड पीआर कैंपेन चलाया गया है।

वायरल स्क्रीनशॉट में लिखा गया है- 'हम बॉर्डर 2 को लेकर एक PR कैंपेन चला रहे हैं, जो फिल्म के निगेटिव कमेंट पर आधारित है। इस कैंपेन का मकसद वरुण धवन के परफॉर्मेंस च्वाइस,स्क्रीन प्रेजेंस, फेशियल एक्सप्रेशन और इस बात पर बहस शुरू करना है कि क्या उनकी कास्टिंग इतनी बड़ी फिल्म और उसकी लीगेसी पर फिट बैठती है।

आपके पेज की अच्छी इंगेजमेंट है और ऐसे ऑडियंस हैं, जो बोल्ड और अनफिल्टर्ड ओपिनियन की सराहना करते हैं, इसलिए हम आपके साथ कोलैब करना चाहेंगे।'

SST महाविद्यालय द्वारा मतदान जागरूकता अभियान

उल्हासनगर. 15 जनवरी को होने वाले महानगरपालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में नागरिकों से अपने मतदान अधिकार का उपयोग करने का आह्वान करने के उद्देश्य से एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा व्यापक मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और डीएलएलई (DLLE) इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर पथनाट्य प्रस्तुत कर नागरिकों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा की। संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान अधिकार और उसे निभाने के कर्तव्य के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों ने सभी नागरिकों से मतदान करने का आग्रह किया। साथ ही एनएसएस स्वयंसेवकों ने मतदाता जागरूकता रैली निकालकर नारों के माध्यम से पूरे शहर में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाई।विद्यार्थियों में भी मतदान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो, इसके लिए मतदान जागरूकता पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र, मताधिकार और नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर रचनात्मक पोस्टर प्रस्तुत किए।इन सभी गतिविधियों के माध्यम से एसएसटी महाविद्यालय ने नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने और अपने मतदान अधिकार को कर्तव्यभावना के साथ निभाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि एसएसटी महाविद्यालय सामाजिक, शैक्षणिक और राष्ट्रीय महत्व की जनजागरूकता अभियानों में सदैव सक्रिय सहभाग करता रहा है और समाजप्रबोधन के लिए निरंतर अग्रसर रहता है।

हिंद दी चादर समागम 24 और 25 जनवरी को नांदेड़ में होगा

मुंबई. हिंद दी चादर' – श्री गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी समागम नांदेड़ में होगा, और एडमिनिस्ट्रेशन और गुरुद्वारों ने इस इवेंट के लिए बड़े इंतज़ाम किए हैं। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर दिलीप स्वामी ने गुरुवार को एक मीटिंग में एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया कि छत्रपति संभाजीनगर से समागम के लिए नांदेड़ आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं दी जाएं और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक शहादत का इतिहास पहुंचाया जाए। एडमिनिस्ट्रेशन को इवेंट को सभी के लिए बनाने का प्लान बनाना चाहिए। हिंद दी चादर समागम 24 और 25 जनवरी को नांदेड़ में होगा। छत्रपति संभाजीनगर से हज़ारों श्रद्धालु इस इवेंट में शामिल होंगे। मीटिंग के दौरान पहले से किए गए इंतज़ामों और श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधाओं का रिव्यू किया गया।

इस मौके पर ZP CEO अंकित, SP डॉ. विनयकुमार राठौड़, रेजिडेंट डिप्टी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर जनार्दन विधाते, कुलदीपसिंह छाबड़ा, सरदार हरिसिंह और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे।

पैनल 7 में शिवसेना की भव्य रैली में शामिल हुए पप्पू कालानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 7 में शिवसेना युवा उम्मीदवारों की भव्य रैली में लोकनेता पप्पू कालानी ने शिरकत की। इस रैली में सैकड़ों की संख्या में युवा व महिलाओं ने शिरकत की और पैनल 7 में युवा व शिक्षित शिवसेना उम्मीदवार मयुर प्रभु लहाने, आर्किटेक्ट दुर्गा प्रसाद राय, अश्विनी निकम, संगमित्रा हजारे को जीताने का संकल्प लिया। इस रैली में प्रभू लहाने, दिनेश राय, कमलेश निकम सहित शिवसेना के कई बड़े नेता शामिल हुए। पप्पू कालानी ने कहा कि पैनल के सुंदर भविष्य के लिए युवाओं के हाथों में कमान दें और पैनल को विकास की ओर ले जाएं। यहां युवाओं की टक्कर भाजपा व आरपीआय से है।

उल्हास वि NEWS LIVE FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985
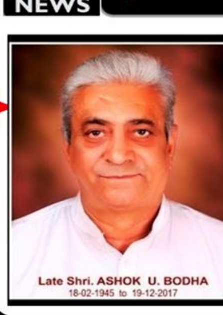
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099